डेरा सच्चा सौदा अवतार दिवस पर 40 हजार पौधे लगाकर रचा इतिहास!

विषय सूची (Table of Contents):

>> बरनावा डेरा सच्चा सौदा आश्रम में भव्य पौधरोपण अभियान का शुभारंभ...
>> पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय कदम...
>> डेरा प्रमुख के अवतार दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का देशव्यापी संकल्प...
>> सेवा और साधना का अनूठा संगम...
>> मेरठ और बागपत जिले की साध संगत को मिले हजारों पौधे रोपने के लक्ष्य...
>> अभियान की निगरानी और प्रगति...
>> फलदार और छायादार पौधों से संवरेगी प्रकृति हरियाली बढ़ाने पर जोर...
>> पौधों का चयन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण...
>> देशभर में चलाए जा रहे हरित अभियानों का स्थानीय स्तर पर प्रभाव...
>> सामुदायिक जागरूकता और सहभागिता...
>> सेवादारों और साध संगत की सक्रिय भागीदारी से सफल हुआ कार्यक्रम...
>> उपस्थित प्रमुख सेवादारों की सूची...
>> पर्यावरण संतुलन और बेहतर भविष्य के लिए पौधरोपण की आवश्यकता...
>> निष्कर्ष...
>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...

पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के विस्तार को लेकर उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में एक विशेष पहल देखने को मिली है। बिनौली क्षेत्र के बिजवाड़ा स्थित ऐतिहासिक बरनावा आश्रम में श्रद्धालुओं और समाजसेवियों द्वारा वृहद स्तर पर पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य के माध्यम से आमजन को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का सशक्त संदेश दिया गया है।

बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के इस दौर में वृक्षारोपण की यह मुहिम बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सामाजिक संगठन पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे हरित अभियानों को गति दे रहे हैं। इसी क्रम में आश्रम परिसर और आसपास के क्षेत्रों को हरा-भरा करने के लिए हजारों नए पौधे रोपने की ठोस योजना तैयार की गई है।

बरनावा डेरा सच्चा सौदा आश्रम में भव्य पौधरोपण अभियान का शुभा

बागपत के बरनावा स्थित आश्रम में शुक्रवार को इस विशेष पौधरोपण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। मेरठ और बागपत क्षेत्र से पहुंचे सेवादारों ने पूरे उत्साह के साथ आश्रम परिसर के आसपास पौधरोपण कर हरियाली का विस्तार किया। इस आयोजन को लेकर साध संगत में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

आश्रम परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्थानीय कार्यकर्ताओं ने पहले से ही व्यापक तैयारियां की थी। अधिक जानकारी और अन्य सामाजिक गतिविधियों के लिए आपडेरा सच्चा सौदा का महा-अभियान: जन्मदिवस पर रोपे हजारों पौधे!से जुड़े विस्तृत विवरण देख सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय कदम

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्य लोगों ने कहा कि आज के समय में धरती को प्रदूषण मुक्त रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण के माध्यम से न केवल वायु गुणवत्ता में सुधार होगा बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण भी तैयार किया जा सकेगा।

डेरा प्रमुख के अवतार दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का देशव्यापी स

सेवादारों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशाल पौधरोपण अभियान डेरा प्रमुख संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह के अवतार दिवस (जन्मदिवस) के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर हर वर्ष देशभर में लाखों पौधे लगाने का विशेष संकल्प लिया जाता है।

इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों और जिलों में सेवादार प्रकृति की सुरक्षा का संकल्प लेते हुए पौधरोपण करते हैं। इस प्रकार के सामूहिक प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण के प्रति आम जनमानस में भी सकारात्मक चेतना का संचार होता है।

सेवा और साधना का अनूठा संगम

संस्था से जुड़े स्वयंसेवकों का मानना है कि मानव सेवा के साथ-साथ प्रकृति की सेवा करना भी सच्ची भक्ति का हिस्सा है। इसी भावना से प्रेरित होकर अवतार दिवस को पर्यावरण दिवस के रूप में मनाते हुए व्यापक पौधरोपण किया जाता है।

मेरठ और बागपत जिले की साध संगत को मिले हजारों पौधे रोपने के

इस वर्ष अभियान को सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न जिलों को निर्धारित लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दोनों प्रमुख जिलों मेरठ और बागपत के लिए स्पष्ट योजना बनाई गई है ताकि अधिकतम संख्या में पौधे लगाए जा सकें।

>> मेरठ जिला लक्ष्य:मेरठ जिले की साध संगत को कुल 29,600 पौधे लगाने का विशाल लक्ष्य सौंपा गया है।

>> बागपत जिला लक्ष्य:बागपत जिले की साध संगत को 10,700 पौधे रोपने का महत्वपूर्ण लक्ष्य दिया गया है।

>> देखभाल का संकल्प:सेवादारों द्वारा केवल पौधा लगाना ही नहीं, बल्कि उनके बड़े होने तक उचित देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी ली गई है।

अभियान की निगरानी और प्रगति

जिला स्तरीय समन्वयक इस अभियान की नियमित प्रगति और स्थिति का विश्लेषण कर रहे हैं। स्वयंसेवकों की अलग-अलग टीमें बनाकर ग्रामीण एवं कस्बाई इलाकों में चिन्हित स्थानों पर वृक्षारोपण का कार्य तेजी से संपन्न कराया जा रहा है।

फलदार और छायादार पौधों से संवरेगी प्रकृति: हरियाली बढ़ाने पर

इस अभियान की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न प्रजातियों के फलदार और छायादार पौधों का चयन किया गया है। जैव विविधता को समृद्ध करने और पक्षियों एवं पशुओं के लिए अनुकूल प्राकृतिक आवास तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पौधरोपण में नीम, पीपल, शीशम, जामुन, बरगद, अमरूद और आम जैसे दीर्घायु एवं लाभकारी वृक्षों को प्राथमिकता दी जा रही है, जो पर्यावरण को अधिकतम ऑक्सीजन प्रदान करने में सक्षम हैं।

पौधों का चयन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण

स्थानीय जलवायु और मिट्टी की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए ऐसे पौधे चुने गए हैं जो कम पानी में भी तेजी से विकसित हो सकें। छायादार पेड़ राहगीरों को राहत देंगे और फलदार वृक्ष स्थानीय जैव विविधता को सशक्त बनाएंगे।

देशभर में चलाए जा रहे हरित अभियानों का स्थानीय स्तर पर प्रभाव

राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जाने वाले पर्यावरण अभियानों का सीधा असर स्थानीय ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों पर देखने को मिलता है। बागपत और मेरठ जैसे जनपदों में जब हजारों की संख्या में पौधे रोपे जाते हैं, तो इससे स्थानीय स्तर पर ग्रीन कवर में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है।

विभिन्न सामाजिक और राष्ट्रीय विषयों से जुड़े अन्य समसामयिक घटनाक्रमों के संदर्भ में आपछात्रों की जीत! शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफाजैसी प्रमुख खबरों पर भी अपडेट ले सकते हैं। साथ ही इस विषय पर विभिन्न प्रतिक्रियाओं के लिएधर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अभिजीत दीपके ने ऐसे मनाया जश्न!भी देख सकते हैं।

सामुदायिक जागरूकता और सहभागिता

जब स्थानीय लोग सामूहिक रूप से गड्ढे खोदने, पौधे लगाने और पानी देने के कार्य में जुटते हैं, तो पूरे समाज में पर्यावरण संरक्षण की भावना जागृत होती है। बच्चे और युवा भी इस कार्य से प्रेरित होकर अपने घरों के आसपास पेड़ लगाने के लिए आगे आ रहे हैं।

सेवादारों और साध संगत की सक्रिय भागीदारी से सफल हुआ कार्यक्रम

बरनावा आश्रम में आयोजित इस कार्यक्रम की सफलता में क्षेत्र के समर्पित कार्यकर्ताओं और सेवादारों का विशेष योगदान रहा। सभी ने अनुशासन और समर्पण के साथ वृक्षारोपण की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया।

उपस्थित प्रमुख सेवादारों की सूची

इस विशाल पौधरोपण अभियान में क्षेत्र के अनेक गणमान्य सेवादार उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से निम्नलिखित नाम शामिल हैं:

>> रकम सिंह इंसा, डॉ. महेश, सत्येंद्र, प्रमोद, मुकेश

>> शिव, रविंद्र, सतीश, ओमप्रकाश, विमल, हरबीर

>> अमित, विपिन, राकेश, कृष्णपाल, पवन फौजी

>> राजीव, सोनू, रामनाथ, राजेंद्र और संजय सहित बड़ी संख्या में सेवादार उपस्थित रहे।

पर्यावरण संतुलन और बेहतर भविष्य के लिए पौधरोपण की आवश्यकता

वर्तमान समय में औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण पेड़ों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। इसका सीधा असर मौसम चक्र और मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। ऐसे में बड़े पैमाने पर पौधरोपण करना समय की सबसे बड़ी मांग बन चुका है।

पेड़ न केवल कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि भूजल स्तर को सुधारने और मिट्टी के कटाव को रोकने में भी अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। भावी पीढ़ी को स्वच्छ हवा और पानी उपलब्ध कराने के लिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए।

निष्कर्ष

बरनावा डेरा सच्चा सौदा आश्रम में आयोजित यह पौधरोपण अभियान समाज को प्रकृति के साथ तालमेल बैठाकर जीने की प्रेरणा देता है। मेरठ और बागपत जिले के सेवादारों द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में उठाया गया यह कदम निश्चित रूप से क्षेत्र में हरियाली और शुद्ध वायु का नया संचार करेगा। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए इस प्रकार के सामुदायिक प्रयास निरंतर जारी रहने चाहिए।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

यह अभियान डेरा प्रमुख संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह के अवतार दिवस (जन्मदिन) के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने हेतु देशव्यापी स्तर पर चलाया गया।

मेरठ जिले की साध संगत को इस अभियान के तहत कुल 29,600 पौधे लगाने और उनकी उचित देखभाल करने का लक्ष्य सौंपा गया है।

बागपत जिले की साध संगत को कुल 10,700 पौधे रोपने का लक्ष्य दिया गया है, जिसे विभिन्न ब्लॉकों और गांवों में पूरा किया जा रहा है।

इस हरित अभियान के दौरान पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए मुख्य रूप से फलदार और छायादार प्रजातियों के औषधीय एवं दीर्घायु पौधे लगाए गए हैं।

इस कार्यक्रम में रकम सिंह इंसा, डॉ. महेश, सत्येंद्र, प्रमोद, मुकेश, शिव, रविंद्र, सतीश, ओमप्रकाश, विमल, हरबीर, अमित, विपिन, राकेश, कृष्णपाल, पवन फौजी, राजीव, सोनू, रामनाथ, राजेंद्र और संजय सहित कई सेवादार उपस्थित रहे।